हारे का है सहारा, दुनिया तुझे बतायें

हारे का है सहारा, दुनिया तुझे बताये ।
हम जग से हारकर ही, तेरी शरण मे आये , हारे का है सहारा ।।
.
तर्ज: तकदीर का फसाना
लेखक:विष्णु कुमार सोनी, कानपुर

छाये है काले बादल-2 मेरी जिंदगी में गम के ।
मारे है ताने दुनिया-2 तू मर ही क्यों न जाये ।।
हम जग से हारकर.....
हारे का है सहारा....

हम कितनी चौखटों पर-2 फरियाद कर चुके थे ।
खाटू में आकर बाबा-2 हम दिल से मुस्कराए ।।
हम जग से हारकर.....
हारे का सहारा ....

आते जो रोते-रोते-2, ए श्याम तेरे दर पर ।
अपना बनाके तुझको-2 खुशियों के आंसू पाए ।।
हम जग से हारकर...
हारे का है सहारा.....

कामी को जैसे तन हो,-2 लोभी को जैसे धन हो,
वैसे ही श्याम तुमको-2, हम प्रेम करते जाए ।
हम जग से हारकर.....
हारे का है सहारा……

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33602/title/Haare-ka-hain-sahara--duniya-tujhe-bataye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |